

Dr. DHANVIR PRASAD

ASSISTANT PROFESSOR (G.T)

DEPT.OF.PSYCHOLOGY

C.M.J COLLEGE DONWARIHAT(KHUTONA)MADHUBANI

L.N.M.U DARBHANGA

MOBILE NO:- 6206696451

E-MAIL- [dhabeerparasad@gmail.com](mailto:dhabeerparasad@gmail.com)

---

### Short Term Memory

स्मृति का दूसरा मुख्य प्रकार अल्पकालीन स्मृति है। यह स्मृति बहुत कम समय तक रहती है। वास्तव में कुछ सेकंड के बाद ही ऐसी स्मृति समाप्त हो जाती है। कई मनोवैज्ञानिकों ने इसे परिभाषित करने का प्रयास किया है-

चैपलिन के अनुसार- ' अल्पकालीन स्मृति उसे कहते हैं, जिसका सत्ताकाल छोटा होता है और जिसकी क्षमता सीमित होती है'।

“Short term memory is the memory that has short duration (typically a few second) and is of Limited capacity(5-6 times)

उदाहरण स्वरूप- कभी-कभी हम किसी ऐसे व्यक्ति से मोबाइल पर संपर्क करना चाहते हैं जिसका मोबाइल नंबर हमें याद नहीं रहता है। ऐसी हालत में हम मोबाइल में से उसका नंबर खोज कर उससे संपर्क करना चाहते ही हैं कि तब तक कोई दूसरा व्यक्ति हमें आवाज देता है और हम उसके तरफ मुड़ जाते हैं। इसी बीच उसका मोबाइल नंबर भूल जाते हैं और फिर मोबाइल से उसका नंबर फिर खोजने की आवश्यकता पर जाती है। इस घटना पर ध्यान देने से पता चलता है कि मोबाइल देखने के बाद मोबाइल नंबर का जो स्मरण हुआ वह बहुत थोड़े समय के लिए ठहरा और लुप्त हो गया। यही स्मृति अल्पकालीन स्मरण है।

अल्पकालीन स्मरण की कई विशेषताएँ हैं जो निम्न हैं-

1. अल्पकालीन स्मरण की एक विशेषता यह है कि यह अल्पसत्ता काल है। यह स्मरण बहुत थोड़े समय तक ठहरता है। कितने समय तक यह स्मरण रहता है, इस संबंध में मनोवैज्ञानिकों के

बीच मतभेद है। फिर भी सभी मनोवैज्ञानिक इतना मानते हैं कि यह स्मरण केवल कुछ सेकंड तक के लिए ही रहता है और फिर समाप्त हो जाता है।

2. अल्पकालीन स्मरण की दूसरी मुख्य विशेषता सीमित स्मृति-विस्तार है। चैकलिन के अनुसार अल्पकालीन स्मरण का विस्तार 5 से 9 एकांश तक होता है। मिलर के अनुसार तत्कालीन स्मरण का विस्तार 5-9 इकाई तक होता है। इकाई के रूप में अक्षर, शब्द या क्षेणी को रखा जा सकता है। उनके अनुसार स्मृति-विस्तार वास्तव में सामग्री के संगठन पर निर्भर करता है।

3. अल्पकालीन स्मरण की सूचनाएं अकूटबद्ध होती हैं। जब संवेदी सूचनाएं अल्पकालीन स्मरण में प्रवेश करती हैं तो वे असंबद्ध तथा अकूटबद्ध होती हैं। फिर भी वे कई गुच्छों में संगठित एवं सुसज्जित हो जाती हैं। संगठित सूचनाएं दीर्घकालीन-संरचना में चली जाती हैं। इस प्रकार

जो सूचनाएं अल्पकालीन स्मरण में आती हैं, वे वहां अधिक समय तक ठहरती नहीं आती हैं, बल्कि कुछ ही सेकण्ड बाद या तो बाहर निकलकर समाप्त हो जाती हैं या दीर्घकालीन संचयन में चली जाती हैं। अतः अल्पकालीन स्मरण में नई सूचनाओं के आने पुरानी सूचनाओं के समिप्त होने की क्रिया जारी रहती है।

4. अल्पकालीन स्मरण में विघटन की संभावना अधिक होती है। ब्रौडबेन्ट (1958) के अनुसार स्मरण की सूचनाएँ बहुत आसानी से भंग हो जाती हैं। प्रायः देखा जाता है कि मोबाइल नंबर डायल करते समय हल्का बाधा होने पर भी नंबर भूला जाते हैं। ब्राउन (1988) के अनुसार अल्पकालीन स्मरण की थोड़ी सूचना तथा अधिक सूचना को भंग करने के लिए क्रमशः अधिक तथा थोड़ी मात्रा में बाधा की आवश्यकता होती है।

5. अल्पकालीन स्मरण में रिहर्सल का आभाव होता है। सूचनाओं के आने जाने की क्रिया इतनी जल्दी होती है कि रिहर्सल संभव नहीं हो पाता है। जब रिहर्सल का समय मिल जाता है तो सूचनाएं कूटबद्ध होकर दीर्घकालीन संचयन में चली जाती हैं।

अल्पकालीन स्मृति के शिस्मरण के संबंध में किये गये अध्ययनों से तीन संरचनाओं का पता चलता है- हास, हस्तक्षेप तथा विस्थापन।